वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 195 | गुरुवार 10 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पूर्व व वर्तमान डीजीपी का सम्मान

जयपुर. कासं

राजस्थान सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान ने सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक एम.एल. लाठर व वर्तमान पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा का सम्मान किया। न्यू सांगानेर रोड स्थित एक मैरिज हॉल में आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त डीजी पी.के.तिवारी, एम.के. देवराजन, के.एस. बेंस, ओमेंद्र भारद्वाज के अलावा पूर्व पुलिस अधिकारी सुनील मेहरोत्रा, गिरधारी लाल शर्मा भी शामिल हुए। संस्थान के वरिष्ठ प्रदेशाध्यक्ष यशपाल सिंह पूनिया ने आगंतुकों का सम्मान किया। संस्थान के मुख्य संरक्षक जसवंत संपत राम ने संस्थान के गठन एवं कार्य की जानकारी दी। प्रदेशाध्यक्ष वासुदेव सिंह ने सभी अतिथियों का साफा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर एम.एल. लाठर ने बताया कि सेवानिवृत्त पुलिस कार्मिकों के बच्चों के लिए पुलिस की रिक्तियों में 3 प्रतिशत पद आरक्षित किए गए हैं। उमेश मिश्रा ने आश्वासन दिया कि सेवानिवृत्त सदस्यों की प्रशासनिक अथवा व्यक्तिगत समस्या के लिए वे कभी भी मिल सकते हैं।

नगर निगम को मिलेगा आठ साल में सातवां महापौर

बाड़ाबंदी में पहुंचे बीजेपी के बड़े नेता, नाराज पार्षदों को मिल सकता है समिति अध्यक्ष का तोहफा

जयपुर. कासं

जयपुर ग्रेटर नगर निगम पर आठ साल के अंतराल में सातवां महापौर गुरुवार को चुन लिया जाएगा। चुनाव से पहले बीजेपी और कांग्रेस के पार्षद बाड़ेबंदी में है। बीजेपी ने अपने पार्षदों को विशेष तौर पर सहेजकर रखा है। इसका बड़ा कारण क्रॉस वोटिंग है। यही वजह है कि बीजेपी के तमाम बड़े नेता, पदाधिकारी और विधायक लगातार विधायकों से मिलकर और बात कर उन्हें खेमेबाजी या किसी भी किस्म की बगावत से बचाने में लगे हुए हैं। पिछले दो दिन से लगातार होटल चौमूं पैलेस में विधायकों की बाड़ाबंदी के बीच बड़े नेताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। बाड़ाबंदी में मंगलवार को संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुवेर्दी सहित कई विधायक और नेता पहुंचे। पार्षदों की मॉक ड्रिल के अलावा उन्हें जरूरी निर्देश भी दिए गए। इसी तरह गुरुवार को प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया भी बाड़ाबंदी में पहुंचेंगे। महापौर का टिकट तय होने के बाद कई पार्षदों के बीच नाराजगी की जानकारी सामने आई। ऐसे में बीजेपी ने नाराज पार्षदों को मनाने की कोशिश चल रही है। माना जा रहा है कि कुछ पार्षदों को महापौर चुनाव के बाद समिति अध्यक्ष बनाया जा सकता है। महापौर चुनाव के बाद समितियां रीशफल होने की संभावना है। ऐसे में कोशिश होगी कि कुछ नाराज पार्षदों को समिति अध्यक्ष बनाकर उनकी नाराजगी दूर की जाए।

महापौर के दावेदारों की अब विधानसभा पर नजर

इधर महापौर के टिकट के लिए जो दावेदार थे उनकी नजर विधानसभा चुनाव पर है। माना जा रहा है कि शील धाभाई, सुखप्रीत बंसल सहित अन्य प्रत्याशियों ने विधानसभा टिकट पर नजर लगाई है। अंदरखाने कुछ नेताओं से उन्हें आश्वासन मिलने की जानकारी भी सामने आई है। बता दें शील धाभाई पहले भी कोटपूतली से चुनाव लड़ चुकी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि महापौर का टिकट नहीं पाने वाले प्रत्याशियों की नाराजगी पार्टी इस तरह भी दूर कर सकती है। जयपुर नगर निगम सबसे विवादित नगर निगम में से एक है। 2014 से अबतक यहां 8 साल में 6 महापौर बन चुके हैं। वहीं अगला महापौर 10 नवम्बर को बनेगा। इससे पहले 2014 में निर्मल नाहटा जयपुर के महापौर बने थे। दो साल बाद उन्हें हटाकर अशोक लाहौटी को महापौर बनाया गया। इसके बाद 2018 में सांगानेर विधायक बनने के बाद लाहौटी ने इस्तीफा दिया। इसके बाद उपमहापौर मनोज भारद्वाज को यह प्रभार संभलाया गया। इसके कुछ समय बाद दोबारा से महापौर का चुनाव हुए। 2018 में इस चुनाव में विष्णु लाटा नए महापौर बन गए। इसके बाद हुए नगर निगम के फ्रेश चुनावों दो नगर निगम बनने के बाद सौम्या गुर्जर महापौर बन गई। मगर विवादों के फंसने और निलंबन के चलते शील धाभाई को उनके बाद महापौर बनाया गया। शील धाभाई इस दौरान छठी महापौर बनी। अब 10 नवम्बर के चुनाव के बाद नगर निगम को सातवां महापौर मिलेगा।

जयपुर में 19-20 नवंबर को होगा वर्ल्ड सूफी म्यूजिक फेस्टिवल

बैले डांस के साथ मूमल का किया जाएगा मंचन, जावेद अली, जसलीन कौर करेंगे परफॉर्म

जयपुर. कासं

राजस्थान टूरिज्म डिपार्टमेंट की ओर से 19 और 20 नवंबर को जयपुर में जहां ऐ खुसरो वर्ल्ड सूफी म्यूजिक फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। अल्बर्ट हॉल पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में राजस्थान की प्रसिद्ध कहानी मूमल पर आधारित नाटक मूमल ऐ रेगिस्थान का मंचन किया जाएगा। जिसे

डायरेक्टर मुजफ्फर अली और डिजाइनर मीरा अली द्वारा डिजाइन किया गया है। जिसमें जावेद अली, नूरां सिस्टर्स, जसलीन कौर, नियाजी जैसे कलाकार अपनी परफॉर्म करेंगे। राजस्थान टूरिज्म डिपार्टमेंट की प्रमुख सचिव गायत्री राठौर ने कहा कि हम को संगीत के रूप में भी विश्व मानचित्र पर लाना चाहते हैं। यही कारण है की 10 साल बाद 19 और 20 नवंबर को सूफी म्यूजिक फेस्टिवल आयोजित किया जा रहा है। जिसमें राजस्थानी परंपरा कला और साहित्य की अनूठी झलक देखने को मिलेगी। ऐसे में सूफी फेस्टिवल के आयोजन से राजस्थान के टूरिज्म इंडस्ट्री को बूम मिलेगा। दो दिन तक चलने वाले इस जहान ए खुसरो जयपुर महोत्सव में जावेद अली, नूरों सिस्टर्स, जसलीन कौर, नियाजी जैसे कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। महोत्सव के पहले दिन 19 नवंबर को 'हुमा' शीर्षक बैले डांस का आयोजन किया जाएगा। वहीं पूजा गायतोंडे द्वारा नारा ए मस्ताना पर परफॉर्म करेगी। वहीं दूसरे दिन मुजफ्फर अली द्वारा निर्देशित 'मूमल'- रूह-ए रेगिस्तान नाटक शिवानी वर्मा और ग्रुप द्वारा बैले डांस द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉरएवर का संस्कारो का शंखनाद

बच्चों में संस्कारो से ही हमारी संस्कृति सुरक्षितः आचार्य सुनील सागर

सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना से ही हमारी मानवीयता और संस्कृति सुरक्षित : नवीन जैन

जयपुर के सभी सोशल ग्रुप्स और महिला मंडलो ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर लिया भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया

राष्ट्रसन्त आचार्य श्री108 सुनीलसागरजी मुनिराज ने जयपुर की महिलाओ को कहा की जितना ध्यान आप अपने मोबाइल के रिचार्ज का रखते हो उतना अपनी आत्मा की विशुध्दता का भी रखो तो भवसागर से पार हो जाओगे। हर मनुष्य को मोबाइल तो स्मार्ट चाहिए लेकिन ये विचार नहीं आता की हमारे अंदर कितनी कषाय है, कितने विकार है, किसी के प्रति कितना राग द्वेष है। हमें अपने विचारो को भी संस्कारित करना चाहिए। आचार्य सुनील सागर जी ने कहा की आज हमारी दिनचर्या का अधिकांश समय मोबाइल में व्यतीत होता है। इस कारण सामाजिकता और व्यवहारिकता दोनों ही समाप्त होती जा रही है। अभी भी हम नहीं सुधरे तो आने वाला समय कितना संकट का होगा कल्पना नहीं की जा सकती। बुजुर्ग पीढ़ी कितनी एकांकी हो गयी है हम सभी जानते है। कौन संस्कार देगा यह प्रश्न हमें अपने से पूछना चाहिए। गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ने अपने प्रवचन में कहा की जैन धर्म के संस्कारो को आने वाली पीढ़ी में ले जाने की जिम्मेदारी परिवार की महिलाओ की है। यदि हम श्रवण पूजन और ध्यान करेंगे तो बच्चे भी हमारा अनुसरण करेंगे. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नवीन जैन आईएएस ने कहा की यदि हमें अपने समाज की पहचान को कायम रखना है तो हमें अपने आचरण को ,हर दिन परिमार्जित करना चाहिए। आज जैन समाज की विश्व में जो पहचान है उसमे सबसे बड़ा योगदान जैन मुनियो और आचार्यो की चर्या के कारण है। आज सबसे अनुशासित कोई समाज है तो वह जैन समाज है। हमें हर दिन हर कार्य से समाज में नए उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। हर पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को संस्कारवान ना होने का उलाहना देती है। यदि हम अपने में थोड़ा सुधार कर ले तो यह स्थिति बहुत बेहतर हो सकती है। संगिनी फोर एवर की अध्यक्ष शकुंतला बिन्दायका व मंत्री सुनीता गंगवाल ने बताया की दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फोर एवर के तत्वावधान में संपन्न इस कार्यक्रम में हर उम्र वर्ग के मध्य संस्कारों का समावेश , समाज के ताने-बाने को मजबूत आधार देने, आधुनिकता, भोतिकवाद, पाश्चात्यीकरण , उपभोक्तावाद की चकाचौंध के मध्य हमारे भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक व सामाजिक संस्कारो के अनुरूप बनाने, हमारी आदतों, हमारे विचारो हमारे चरित्र को जैन दर्शन के सिद्धान्तों के अनुरूप आचरण में लाने के प्रयासों को रेखांकित किया गया। प्रमुख वक्ताओं में एडवोकेट श्रीमती सुरुचि कासलीवाल , डॉक्टर शिवांगी जी जैन एस एम एस मेडिकल कॉलेज जयपुर थी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रमोद- नीना पहाड़िया ARL ग्रुप, दीप प्रज्वलन कर्ता शांति कुमार -ममता सोगानी जापान वाले, चित्र अनावरण कर्ता त्रिशला गोधा संस्थापक समाचार जगत एवं विशिष्ट अतिथियों में नम्रता राणा , प्रिया प्रवीण बड़जात्या, मेनका बड़जात्या, संगीता अजमेरा थे। कार्यक्रम के समन्वयक भारत भूषण जैन और मनीष बैद ने बताया की इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। " जिसने राग द्वेष कामादिक जीता पर

भाव पूर्ण प्रस्तुति दी। दिगम्बर जैन मंदिर जनकपुरी की सदस्यों प्रिया, निशा , प्राची , सचिता, अर्चना और प्रियंका ने प्रस्तुत किया। इसके अलावा नाटिका संस्कारों का शंखनाद की मंचन किया गया। परिवार में महिलाओ की स्थिति का चित्रण करते हुए किस तरह इसे बेहतर बनाया जा सकता है इस पर समझाईश की गयी। शकुंतला बिंदायका के आलेख और निर्देशन को सभी ने सराहा। इस नाटक में अनीता बिंदायका, प्राची, अनीता जैन, दौलत जैन, दीपा, कुसुम ठोलिया और ज्योति जैन ने भाग लिया। बाल कलाकारों ने नृत्य के माध्यम से पाठशाला जाने का महत्त्व बताया। इन बाल कलाकारों में प्रियांशी, ईवान, नक्षंद्रा, आदि, यश और लितांशी थे। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडेरशन राजस्थान रीजन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या और मंत्री निर्मल संघी ने बताया की इस कार्यक्रम में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन, गुलाबी, नवकार, डॉयमण्ड, आदिनाथ, जैन भारती, मैत्री, पार्श्वनाथ, वात्सल्य, तीर्थंकर, ब्लूस्टॉर, पिंक पर्ल, वीर, वर्धमान, स्वास्तिक, सन्मति, विराट, सम्यक सहित विभिन्न महिला मण्डलो के जयपुर के आस पास के 1500 से भी अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। संगिनी फॉरएवर की कोषाध्यक्ष उर्मिला जैन ने बताया की इस कार्यक्रम में इंदौर से फेडरेशन की राष्ट्रीय शिरोमणि संरक्षिका श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलेश - प्रेमलता कासलीवाल, राष्ट्रीय महासचिव दिनेश - मनोरमा दोसी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष राकेश - कल्पना विनायका विशेष रूप से उपस्थित थे। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, महासमिति की अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल, महेन्द्र कुमार पाटनी राष्ट्रीय वरिष्ठ परामर्शक , अनिल कुमार , शशि जैन राष्ट्रीय परामर्शक , सुरेन्द्र कुमार - मृदुला पाण्डया राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष , नवीन सेन - शशी सेन जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष , यश कमल - संगीता अजमेरा रीजन निवर्तमान अध्यक्ष, अतुल - निलिमा बिलाला रीजन पूर्व अध्यक्ष और मृदुला पांड्या व शशि सैन जैन की गौरवपूर्ण उपस्थिति रही । जनकपुरी इमली वाला फाटक जैन मंदिर के अध्यक्ष पदम बिलाला, मंत्री देवेन्द्र कासलीवाल , सम्यक ग्रुप के संस्थापक महावीर बिंदायका , अध्यक्ष महावीर बोहरा, सचिव इन्दर कुमार जैन के साथ युवा मंच के अध्यक्ष अमित शाह और मंत्री प्रतीक जैन का सराहनीय सहयोग रहा।

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस आज 10 नवम्बर को

रात्रि 8 बजे सकल जैन समाज के अनुयायी जयपुर के सैकड़ो मंदिरो मे हाथो में दीपक लेकर एक साथ महा आरती में भाग लेंगे

सम्पूर्ण भारत वर्ष मे एक साथ आचार्य श्री की आरती कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जायेगा

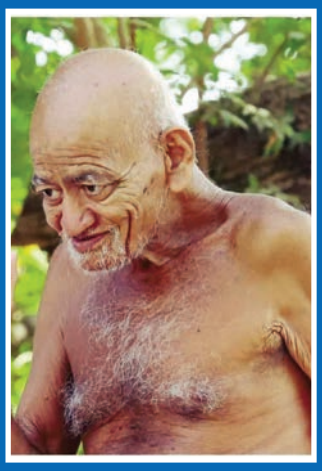

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति द्वारा परम श्रद्धेय अंतर्यात्री महापुरुष,अपराजेय साधक,युगपुरुष, संस्कृति शासनाचार्य संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर जी महामहाराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस के पावन उपलक्ष में गुरुवार, दिनांक 10 नवम्बर 2022 को रात्रि 8 बजे सकल जैन समाज के अनुयायी जयपुर के सैकड़ो मंदिरो मे हाथो में दीपक लेकर एक साथ महा आरती में भाग लेंगे । राष्ट्रीय महिला महासमिति अध्यक्ष शीला डोडिया ने बताया कि राष्ट्रीय महिला महासमिति के आव्हान पर पूरे भारत वर्ष में एक साथ इस कार्यक्रम को करके वर्ल्ड रिकार्ड बनाया जाएगा।मुख्य समन्वयक सुशीला पाटनी आर के मार्बल ने जानकारी दी कि रात्रि 8 बजे जयपुर ही नहीं वरन राजस्थान के साथ साथ सम्पूर्ण भारत वर्ष मे एक साथ हजारों दीपकों से आचार्य श्री की आरती कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जायेगा ।

वेद ज्ञान

लोभ-लालच की आदत

लोभ-लालच से आच्छादित मन, मृग-मरीचिका में भटकता रहता है, पर वह दूसरों को नहीं, बल्कि स्वयं को ठगता है। धोखा देने के चक्कर में स्वयं धोखा खाता है। दूसरों को छलने से स्वयं की आत्मा में छाले पड़ जाते हैं और वे रिसते रहते हैं। जहां लालच और लोभ की वृत्ति ज्ञात होने पर स्वजन और मित्रों का स्नेह भंग हो जाता है, वहीं लालच की विसंगति खुलने से स्वयं को भी आत्म-ग्लानि के साथ लज्जित होना पड़ता है। लालची और लोभी व्यक्ति अपने कपट-व्यवहार को कितना ही छिपाए देर-सबेर प्रकट हो ही जाता है। आज का मानव बहुरूपिया बन गया है, उसका स्वभाव जटिलताओं का केंद्र बन गया है। हर किसी के साथ और हर स्थान पर लोभ और लालच से पेश आता है। यहां तक कि भगवान के आगे भी वह अपनी लोभी बुद्धि का कमाल दिखाए बगैर बाज नहीं आता। एक व्यक्ति देवी के मंदिर में जाकर मनौती मांग रहा था, निःसंतान था। इसलिए उसने प्रार्थना की हे देवी! मुझे पुत्र की प्राप्ति हो जाए, मैं सोने की पोशाक चढ़ाऊंगा। कालांतर में पुत्र की प्राप्ति हो गई, उसका लोभ-लालच प्रबल हुआ। उसने बच्चे का नाम ही 'सोने लाल' रख लिया। एक कपड़े का टुकड़ा ला 'झबला' सिलकर बच्चे को पहनाया। फिर वही देवी को भेंट करते हुए कहा-देवी मां वायदे के अनुसार 'सोने की पोशाक दे रहा हूं, बच्चे पर कृपा-दृष्टि रखना।' यह मात्र एक दृष्टांत है, परंतु आज व्यक्ति हर समय, हर क्षण लोभ-लालच में लिप्त है। कहा जाता है सर्प टेढ़ा-मेढ़ा वक्रता में चलता है, परंतु अपने 'बिल' में वह सीधा जाता है, परंतु मानव अपनी वक्रता, कूटनीति कभी नहीं छोड़ता। वह मायाजाल बुनता ही रहता है। धर्मात्मा का नाटक कर दो नंबर में अर्थोर्जन करना अब सामान्य सी बात है। ऐसे ही व्यक्तियों को 'बगुला भगत' कहा गया है। मायाचारी और लोभी बदल-बदल कर छल-कपट के व्यवहार से पाप कमाता है। वह अपनी कुटिलता, छल, कपट, धोखेबाजी से क्षणिक सफलता पा भी ले, परंतु अंततोगत्वा कष्ट ही उठाता है। ऐसे व्यक्ति शंकाशील रहने के कारण भयभीत रहते हैं। वैसे कहावत भी है-काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। अर्थात मायाचार, लोभ-लालच स्थायी सफलता नहीं दे सकते।

संपादकीय

दस फीसद आरक्षण का रास्ता साफ

सुप्रीम कोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए दस फीसद आरक्षण का रास्ता साफ कर दिया है। अब शिक्षा और नौकरी में गरीब सवर्णों को भी आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। सोमवार को पांच सदस्यों वाले संविधान पीठ ने तीन-दो के बहुमत से एक सौ तीन वें संविधान संशोधन की वैधता को बरकरार रखते हुए यह फैसला दिया। प्रधान न्यायाधीश यू यू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट ने इस संविधान संशोधन को वैध नहीं माना, जबकि तीन न्यायाधीशों न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी, न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला ने इसके पक्ष में फैसला दिया। सर्वोच्च अदालत का यह फैसला स्वागतयोग्य माना जाना चाहिए, क्योंकि संविधान पीठ ने इस मुद्दे की मूल भावना को केंद्र में रखते हुए उसे तरजीह दी और सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर तबके

को ऊपर लाने और इस दिशा में सरकार के प्रयासों को पर अपनी सहमति दी। हालांकि आरक्षण हमेशा से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है और इससे जुड़े मुद्दों को लेकर विवाद उठते रहे हैं। ऐसे में इस पर सहमति-असहमति बनना भी स्वाभाविक है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में एक सौ तीन वां संविधान संशोधन लागू कर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया था। लेकिन इस संविधान संशोधन को संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन बताते हुए इसकी वैधता को चुनौती दी गई थी। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण सुनिश्चित करने वाले एक सौ तीन वें संविधान संशोधन के विरोध के पीछे बड़ा कारण यह बताया गया कि इससे संविधान के बुनियादी ढांचे का उल्लंघन होता है। प्रधान न्यायाधीश ने भी अपने फैसले में इस को रेखांकित किया है। प्रधान न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि संविधान सामाजिक न्याय के साथ छेड़छाड़ की इजाजत नहीं देता है। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण देना संविधान के बुनियादी ढांचे के खिलाफ है। लेकिन संविधान पीठ के जिन जजों ने इसके पक्ष में फैसला सुनाया, वे सभी इस बात पर सहमत थे कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को दस फीसद का आरक्षण संविधान के बुनियादी ढांचे का कहीं से उल्लंघन नहीं करता। लेकिन इसमें सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि न्यायमूर्ति पारदीवाला ने साफ कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण अनिश्चितकाल के लिए नहीं बढ़ाना चाहिए। संविधान पीठ के बहुमत वाले सदस्यों ने फैसले में इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण इसलिए भी जरूरी है ताकि समतावादी समाज के लक्ष्य की ओर एक सर्व समावेशी तरीके से आगे बढ़ना सुनिश्चित किया जा सके। सर्वोच्च अदालत के इस फैसले के बाद सरकार के लिए अब बड़ी चुनौती अब इस फैसले पर अमल की है। देखना होगा कि सरकार कैसे ईमानदारी के साथ इसे लागू करवाती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

संकट का धुआं

दिल्ली और इससे सटे राज्यों में वायु प्रदूषण की वजह से हालात गंभीर हो गए हैं। कई दिनों से धुएं की चादर आसमान में कायम है। जिस तरह हवा जहरीली होती जा रही है, उससे लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। वायु प्रदूषण के कारण भले कई हों, लेकिन अभी बड़ी वजह पराली का धुआं है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में किसान पराली जला रहे हैं और सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं। विडंबना यह है कि जहां सभी राज्यों को पराली की समस्या से निपटने के सामूहिक प्रयास करने चाहिए, वहीं सब एक दूसरे पर ठीकरे फोड़ने में लगे हैं। बताया जा रहा है कि पंजाब में एक ही दिन में पराली जाने के मामलों में सोलह फीसद की वृद्धि हो गई। केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि राजस्थान में इस साल अक्तूबर में पराली जलाने की घटनाओं में एक सौ साठ फीसद का इजाफा हुआ। ऐसा नहीं कि पराली जलाने में किसी एक राज्य का ही योगदान सबसे ज्यादा हो, लेकिन देखने में यह आ रहा है कि पराली को लेकर राज्यों के बीच राजनीति ही ज्यादा हो रही है। सवाल इस बात का है कि आखिर राज्य इस समस्या का समाधान क्यों नहीं निकाल पा रहे? जबकि सुप्रीम कोर्ट की लगातार सख्ती और निगरानी के साथ केंद्र सरकार, पर्यावरण मंत्रालय, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि निकाय राज्यों को हिदायत देते रहे हैं। पिछले कुछ सालों में इस मुद्दे पर राज्यों के आला अफसरों की बैठकें भी होती रही हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पराली जलाने की घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही। इससे तो लगता है कि सरकारें हाथ खड़े कर चुकी हैं। लगता है जैसे कि यह काम राज्यों के बस का रह ही नहीं गया है। वरना क्या कारण है कि राज्य सरकारें किसानों को पराली जलाने से रोक नहीं पा रहीं। पराली जलाने की मजबूरी को लेकर किसान अब तक जो तर्क देते रहे हैं, उससे साफ हो जाता है कि सरकारों का रवैया ही उन्हें इसके लिए मजबूर करता रहा है। आज भी पंजाब और दूसरे राज्यों में किसानों के सामने बड़ा संकट पराली नष्ट करने वाली मशीनों का है। जिस बड़े पैमाने पर ये मशीनें किसानों को उपलब्ध करवाई जानी चाहिए थीं, लगता है उसमें सरकारें सफल नहीं हुईं। फिर, ऐसे किसानों की संख्या काफी बड़ी है जो मशीन खरीदने या किराए पर लेने में सक्षम नहीं हैं। ऐसे में किसानों के सामने पराली जलाने के अलावा और चारा रह भी क्या जाता है? पराली से वायु प्रदूषण भले कुछ ही समय रहता हो, लेकिन इससे हालात इतने ज्यादा बिगड़ जाते हैं कि उन्हें संभालना मुश्किल हो जाता है। पराली के धुएं से जिस तरह लोग बीमार पड़ रहे हैं, वह अपने में कम गंभीर नहीं है। पराली के धुएं से होने वाला वायु प्रदूषण रक्तचाप और सांस संबंधी गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। न सिर्फ राजधानी दिल्ली में, बल्कि ज्यादातर बड़े शहरों में वायु प्रदूषण की वजह से लोग फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ने का बड़ा कारण वायु प्रदूषण बताया जा रहा है। लेकिन संकट यह है कि पराली को लेकर राज्य राजनीति करने में मगन हैं। अगर इस समस्या से पार पाने के लिए राज्य आपस में मिल कर रणनीति बनाएं और उस पर ईमानदारी से काम करें तो क्या यह कोई मुश्किल काम है?

भुज में संस्कार संवर्धन कार्यशाला का आयोजन

सद् संस्कार आज की परम आवश्यकता

भुज. शाबाश इंडिया

युगप्रधान शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी के सानिध्य में संस्कार संवर्धन कार्यशाला (शिविर) का आयोजन तेरापंथ भवन भुज में हुआ। शनिवार और रविवार दीपावली वेकेशन में प्रातः 9:00 से 12:00 बजे तक और दोपहर 3:00 से 6:00 बजे तक 2 सेशन में चली कार्यशाला में ज्ञानशाला, किशोर मंडल एवं कन्या मंडल भुज के लगभग 65 बच्चों ने भाग लिया। संस्कार संवर्धन के अंतर्गत अनेक क्लासेस में जाने

तेरापंथ को, मित्र की महानता तथा सेवा परमो धर्म आदि विषयों पर डॉ मुनिश्री पुलकित कुमार जी ने प्रशिक्षण प्रदान किया। नचिकेता मुनि आदित्य कुमार जी ने कैसे करें स्वयं को मैनेज इस विषय पर क्लास ली। चंद्रिकाबेन ने श्रावक नु घर जयना नु मंदिर विषय को विस्तार से समझाया। उलट-पुलट का खेल, विविध भारती तथा क्विज प्रश्नमंच आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने संस्कार संवर्धन की महत्ता उजागर करते हुए कहा धार्मिक संस्कारों को टिकाए रखने के लिए ऐसे शिविरों की आज परम आवश्यकता है इस तरह से ही बालकों को संस्कारों से समृद्ध किया जा सकता है। सद् संस्कारों के बिना जीवन का उपवन अधूरा और सुना सुना रह जाता है। सभी बच्चे उत्साह से में भाग ले रहे हैं यह शुभ भविष्य का उत्साह जीवन निर्माण के लिए उपयोगी रहता है। तेरापंथी सभा भुज के अध्यक्ष वाड़ीभाई मेहता ने सभी का अभिवादन किया। कन्या मंडल बालिकाओं ने गीत का संगान किया। ज्ञानशाला की प्रशिक्षकों अमिता मेहता, भारतीबेन शाह, लताबेन शाह, पूजा दोशी,श्वेता दोशी, दीप्ति मेहता, वीणा मेहता, भाग्यवंती बाबरिया, महेश गांधी, भरत भाई बाबरिया आदि प्रशिक्षकों ने कार्यशाला को सफल बनाने में पूरी मेहनत की। प्रतियोगिता में फर्स्ट आने वाले बालक बालिकाओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।

दुर्गापुरा में अष्टान्हिका महापर्व में सिद्धचक्र मण्डल पूजा का आयोजन हुआ

विधान पूणार्हुति व श्रीजी की शोभा यात्रा के साथ सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गणिनी आर्यिका श्री 105 भरतेश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में अष्टान्हिका महापर्व में श्री सिद्धचक्र महा मण्डल विधान की पूजा संगीत के साथ विधानाचार्य पं दीपक शास्त्री एवं अनुकम्पा दीदी के निर्देशन में मंगलवारदिनांक 1नवम्बर से 08 नवम्बर तक- तक प्रतिदिन प्रातः 7.00 बजे से पांडाल में अभिषेक व शांति धारा हुई। दिनांक 08.11.2022 मंगलवार को जयकारों के साथ भक्ति भाव से इन्द्र इन्द्राणियों ने 1024 अर्घ्य चढ़ाये। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि दिनांक 09.11.2022 बुधवार को सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान पूजा पूणार्हुति एवं श्रीजी की शोभा यात्रा के साथ हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में सर्वाधिक नवदिवसीय णमोकार महामंत्र जाप कर्ता एवं चातुर्मास मंगल कलश के समक्ष सर्वाधिक जाप करने वालों को सम्मानित किया गया।, समापन पर गणिनी आर्यिका श्री आशीर्वचन में सभी को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। प्रवचन से पूर्व विधान पूजा के मुख्य पात्रों में सोधर्म इन्द्र इंद्राणी श्रीमान हर्ष चन्द जी श्रीमती मुन्ना देवी जी जैन सोगानी, महा यज्ञ नायक नेमी कुमार श्रीमती मुन्ना देवी जैन छाबड़ा, कुबेर इन्द्र डॉ मोहन लाल जी जैन मणि श्रीमती डाक्टर शांति देवी जी जैन, श्रीपाल मैना सुन्दरी ललित कुमार श्रीमती अनीता जैन काला चन्दलाई वाले, ईशान इन्द्र राजेन्द्र कुमार जैन शीला जैन काला चन्दलाई वाले, पूजा सामग्री पूण्यार्जक विमल कुमार जैन श्रीमती सुशीला दीपक जैन पोद्दार ने दीप प्रज्ज्वलित किया। ट्रस्ट के द्वारा अनुकम्पा दीदी व पं दीपक जैन शास्त्री के निर्देशन में सिद्ध चक्र मंडल विधान पूजा सम्पन्न कराने पर उनका सम्मान करते हुए बहुत-बहुत हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया, साथ सभी

मुख्य पात्रों का, अनिल कुमार जैन ललितपुर, संगीतकार महेश जैन एण्ड पार्टी महुआ, का हार्दिक स्वागत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। स्वागत में ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़, उपाध्यक्ष सुनील कुमार जैन संगही, नरेश कुमार जैन बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमान विमल कुमार जी जैन गंगवाल, संगठन मंत्री श्रीमान महावीर प्रसाद जी जैन बाकलीवाल, सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रेखा जी पाटनी, श्रीमान राजेन्द्र कुमार जैन रांवका, श्रीमान जय कुमार जी जैन, आदि उपस्थित थे। श्रीजी की शोभा यात्रा में श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा की अध्यक्ष श्रीमती रेखा लुहाड़िया मंत्री श्रीमती रानी सोगानी के साथ समस्त कार्य कारिणी श्री दिगम्बर जैन चन्द्रप्रभु महिला मण्डल दुर्गापुरा, समस्त कार्य कारिणी श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट दुर्गापुरा व सभी श्रद्धालु आर्यिका संघ के साथ जय जयकार करते हुए चल रहे थे। बैंड बाजा की मधुर आवाज में भक्ति करते हुए शोभा यात्रा सम्पन्न हुई। जयकारों के साथ श्रीजी को यथावत विराजमान किया गया। अन्त में सभी ने वात्सल्य भोजन किया।

वरिष्ठ समाजसेवी मा. चंद्रभान जैन की विशाल श्रद्धांजलि सभा में उनके व्यक्तित्व कृतित्व को बताया अनुकरणीय

नन्ना को अनेक उपाधि अलंकरणों से किया विभूषित

रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

छतरपुर। जिले के घुवारा नगर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी नब्बे वर्षीय वयोवृद्ध मा. चन्द्रभान जैन ''नन्ना'' का गत दिनों हुये आकस्मिक निधन/देहवियोग उपरांत गत मंगलवार को उनके निज निवास घुवारा में हुई विशाल श्रद्धांजलि सभा में बुन्देलखण्ड सहित देश के अनेक ट्रस्ट, समिति व संस्थाओं के पदाधिकारी व प्रतिनिधियों एवं अनेक गणमान्य नागरिकों जनप्रतिनिधियों ने नम आंखों से अपनी भावांजलि /श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व कृतित्व का स्मरण कर अनुकरणीय बताया और उनके द्वारा संस्थापित कार्यों के संरक्षण संवर्धन का दायित्व हम सबको सम्भालने की जिम्मेदारी बताई। इस विशाल श्रद्धांजलि सभा में भावांजलि अर्पित करने वालों ने उनके व्यक्तित्व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि श्री जैन नन्ना जहां आदर्श शिक्षक थे वही उनके द्वारा घुवारा में गणेश प्रसाद वर्णी महाविद्यालय, शांतिनाथ पाठशाला, द्रोणगिरि सिध्दायतन मे स्कूल की स्थापना व संचालन और द्रोणगिरि में ही विशाल सिध्दायतन तीर्थधाम की संरचना करने व जिसके वह संस्थापक अध्यक्ष रहे और यहां पर ही विशाल कीर्ति स्तंभ को स्थापित कर बुंदेलखंड के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के साथ ही संविधान निर्मात्री सभा समिति के सदस्यों का परिचय कराने वाले शिलापट्ट से सुसज्जित निर्माण करने के साथ ही शिक्षा, सामाजिक, धार्मिक गतिविधियों तथा स्वास्थ्य व नेत्र शिविर सहित अनेक जनकल्याणकारी महत्वपूर्ण कार्यों मे योगदानों को गिनाते हुए अनुकरणीय बताया। मा. चंद्रभान जैन नन्ना की श्रद्धांजलि सभा में अगम जैन (आईपीएस) पुलिस अधीक्षक झाबुआ, पंडित टोडरमल स्मारक जयपुर के महामंत्री परमात्मा प्रकाश भारिल्ल, शाश्वत धाम उदयपुर के अजीत बड़ौदा, ज्ञानोदय तीर्थ भोपाल के अध्यक्ष अशोक जी , तीर्थधाम मंगलायतन के अशोक लुहाडिया, सिद्धायतन के संरक्षक महेंद्र कुमार गंगवाल जयपुर ,सुधीर कटनी, ऋषभ छिंदवाड़ा, डा.महेश व शुभम शास्त्री व रतनचंद्र शास्त्री भोपाल, श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र द्रोणगिरि के मंत्री भागचंद पीली दुकान, ट्रस्टी व उपाध्यक्ष सुनील घुवारा, ट्रस्टी शील डेवडिया, जैन तीर्थ नैनागिरि व द्रोणगिरि के उप मंत्री व बीजेएस के सागर संभागीय अध्यक्ष राजेश जैन रागी , सिध्दायतन द्रोणगिरि के अध्यक्ष विनोद डेवडिया, मंत्री प्रद्युम्न फौजदार, पदमप्रभु जिनालय के धनीराम भोयरा, छतरपुर टाइम्स समाचार पत्र के संपादक सनत जैन छतरपुर, उदासीन आश्रम द्रोणगिरि के अध्यक्ष संतोष घड़ी सागर, जैन तीर्थ आहारजी के मंत्री राजकुमार पठा, अमित अरिहंत मडावरा, मुन्नालाल व्या , विमल जैन पूर्व अध्यक्ष, बंधाजी तीर्थ के एम.एल जैन टीकमगढ़, कैलाश चंद व ओमप्रकाश भदौरा महरौनी ,महेंद्र कुमार बड़ागांव टीकमगढ़, संजय सिद्धार्थी इंदौर, डॉ. पंचोली इंदौर, गणतंत्र ओजस्वी आगरा, डॉ. ममता जैन उदयपुर सहित अनेक महानुभावों ने नन्ना के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला ,वहीं उपस्थित करीब हजार महानुभावों तथा इंटरनेट के माध्यम से जुडे महानुभावों ने नम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सदगति व मोक्ष मार्ग प्रशस्त करने की प्रार्थना की।

नन्ना को उपाधियों से किया अलंकृत

मा. चंद्रभान जैन नन्ना को बुंदेलखण्ड के छोटे वर्णी, समाजसेवी, कुशल प्रशासक, अध्यात्म प्रेमी, समाज सुधारक, कुशल संगठक, सार्वभौम व्यक्तित्व, आदर्श शिक्षक,त्याग व समर्पण की प्रतिमूर्ति, बुन्देलखण्ड के सपूत, जीवट व कर्मठ व्यक्तित्व आदि विभूतियों से अलंकृत किया। करीब चार घंटे चली इस श्रद्धांजलि सभा का सफल संचालन पं. राजकुमार शास्त्री द्रोणगिरि वाले उदयपुर एवं मंगलाचरण कु. प्रशंसा व विपाशा जैन ने किया ,आभार प्रदर्शन नन्ना के सुपुत्र अशोक जैन , आलोक दाऊ व अरविन्द जैन ने किया।

श्री निंबार्क भगवान का 5108 वां प्राकट्य महोत्सव

बधाई गान से गूंजा संसद परिसर, शोभा यात्रा आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

चांदनी चैक स्थित श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में चल रहे श्री निंबार्क भगवान का 5108 वां प्राकट्य महोत्सव के तहत बुधवार को श्री निंबार्क पीठ निंबार्क पुरम किशनगढ़ के पीठाधीश्वर श्री श्रीजी महाराज श्याम शरण देवाचार्य जी की भक्तों ने चरण वंदना की। इस अवसर पर उन्होंने निंबार्क परंपरा से भक्तजनों को रूबरू कराया। उन्होंने कहा कि निंबार्क संप्रदाय अखिल ब्रह्मांड में सबसे पुरानी सनातन परंपरा है। इस अवसर पर मथुरा वृंदावन एवं देश के अन्य भागों से भी संत महंतों ने उत्सव में भाग लिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान श्री निंबाकाचार्य के प्राकट्य उत्सव के बधाई गीतों पर नृत्य किया। श्री निंबार्क जयंती महोत्सव के तहत गुरुवार को सायं 5:00 बजे श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर चांदनी चौक जयपुर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा सिरह ड्यौढी बाजार, बड़ी चोपड़, जोहरी बाजार, गोपाल जी का रास्ता, चोड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, आतिश मार्केट होते हुए यथा स्थान पहुंचकर विसर्जित होगी। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में संप्रदाय से जुड़े भक्तजन और उनके इष्ट मित्र सम्मिलित होंगे।

मदर टैरेसा होम में निराश्रित बुजुर्गों और बच्चों से मिले वूमेन पावर सोसायटी के सदस्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला सशक्तिकरण व सामाजिक कार्यों में अग्रणी संस्था वूमेन पावर सोसायटी के सदस्यों ने राजधानी जयपुर के प्रताप नगर स्थित 'मदर टैरेसा होम' का दौरा किया। सोसायटी के सदस्यों ने होम में निराश्रित बुजुर्गों और बच्चों से स्नेहपूर्ण मुलाकात कर उनका हालचाल पूछा और सदस्यों ने उनके रहन सहन और खान पान की व्यवस्था के बारे में पूरी जानकारी ली। इस दौरान सदस्यों ने 'मदर टैरेसा होम की व्यवस्थाओं की जमकर सराहना करते हुए भविष्य में वूमेन पावर सोसायटी की तरफ से निराश्रित बुजुर्गों और बच्चों की भलाई के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन भी दिया। सदस्यों ने साथ ही महिलाओं, बच्चों के प्रति संरक्षण व जनजागृति का संदेश भी दिया गया।

आचार्य श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज का 31वा आचार्य पदारोहण दिवस मनाया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन नया मंदिर जी मे विराजमान जैन संत झारखण्ड राजकीय अतिथि श्रमण मुनि श्री 108 विशल्यसागर जी गुरुदेव के मंगल सानिध्य में बड़े ही धूम - धाम से आचार्य श्री 108 विरागसागर जी महामुनिराज का 31वा आचार्य पदारोहण दिवस मनाया गया परम पू . गुरुदेव का चित्र आनावरण ,दीप प्रज्जवलित,पाद प्रक्षालन समाज के सम्मानित सदस्यों के द्वारा किया गया ।साथ ही समाज के 31 महानुभाव ओर पदाधिकारी के द्वारा मुनिराज के चरणों मे शास्त्र भेंट किया गया एवं 31 मंगल दीपको से मंगल आरती एवं आचार्य छत्तीसी विधान भी बड़े उत्साह के साथ मनाया गया इस मौके पर जैन संत विशल्य सागर जी गुरुदेव ने अपनी अमृतवाणी में कहा कि कहा कि शिष्य के जीवन में गुरुभक्ति होना महान उपलब्धियों का कारण है ख्याति, पद ,प्रतिष्ठा, पूजा यह सब गुरुभक्ति से होता है।मुक्ति की प्राप्ति गुरुभक्ति से होती हैं अरिहंत, प्रवचन,आचार्यभक्ति ये सब तीर्थंकर प्राकृति का कारण है ' हमारे आदर्श सम्यक्त्व के स्तम्भ आधारभूत

देव, शास्त्र, गुरु है आचार्य उपाध्याय साधू की भक्ति करने से कर्मों का क्षय, चित्त की विशुध्द सातिशय पुण्य का कारण है और अज्ञानता दूर हटाती हैं साक्षात मोक्ष का कारण है तीर्थंकर तीर्थं की स्थापना का पल्वन्न करा के आगे ले जाने वाले आचार्य परमेष्ठी है ।गौतम गणधर को धारण करने वाले आचार्य परमेष्ठी हुआ करते है ,मोक्षमार्ग के नेता आचार्य परमेष्ठी गुरुओं की भक्ति सर्वोच्च करनी चाहिए बिना गुरु भक्ति के दान,पूजा ,तप व्यर्थ है गुरुभक्ति से ऋद्धि ,सिद्धि स्वतः प्राप्त हो जाती है सभी कार्यक्रम संघस्थ अलका दीदी ,भारती दीदी ओर स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री के निर्देशन में हुवा जिसमे विशेष रूप से समाज के उपाध्यक्ष कमल सेठी ,मंत्री ललित सेठी,चातुर्मास संयोजक सुरेन्द काला,सह संयोजक रूपेश जैन, सुबोध गंगवाल, शांति लाल छाबड़ा, टुन्नू छाबडा, राजेश -सुनीता सेठी, सुशील कासलीवाल,महिला संगठन की अध्यक्ष नीलम सेठी,मीरा छाबड़ा,सिमा सेठी सहित सेकड़ो लोग उपस्थित थे।

50वे आचार्य पदारोहण दिवस पर देशभर में एक साथ सायंकाल 8 बजे होगी महाआरती

भारत वर्षीय जैन समाज पर आचार्य श्री का अपूर्व उपकार: विजय धुर्रा

10 नबम्वर को अंचल में मनाया जायेगा आचार्य पद दिवस

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

जैन दर्शन के प्रमुख संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के 50वे आचार्य पद दिवस पर देशभर में महा आरती का सामूहिक आयोजन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर तथा दिगम्बर जैन महिला महासमिति के तत्वावधान में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के आशीर्वाद से दस नम्बर को मनाया जा रहा है ।इसके तहत देशभर के सभी मन्दिरों में शाम को ठीक आठ बजे एक साथ देश भर में महा आरती होगी जिससे इसे विश्व रिकॉर्ड में सामिल किया जा सके। इसकी सम्पूर्ण तैयारीयां पूज्य ऐलक श्री धैर्य सागरजी महाराज के मार्ग दर्शन में सुशीला पाटनी आर के मार्बल व शीला डोडिया राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला महासमिति जयपुर द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर की जा रही है। इसके साथ ही जिनालयों में उपस्थित संत सान्निध्य में अभिषेक शान्ति धारा के साथ पूजन उपरान्त आचार्य श्री की महाआराधना होती।

देश के लिए आचार्य श्री ने किए अनेक उपकार

मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनि राज एक ऐसे महा मनीषी है जो आध्यात्म के साथ कठोर साधक होते हुए भी अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के बारे में सोचते हैं । यही कारण है उन्होंने गरीबों को अहिंसक रोजगार देने के लिए हस्तकरघा की प्रेरणा दी । आज देश केन्द्रीय जेल सहित देश की अनेक जेलो मे हथ करघा के माध्यम से रोजगार दिया जा रहा है । वहीं दूसरी ओर सर्व साधारण को शुद्ध

अहिंसक वस्त्रो की प्राप्ति हो रहीं हैं। दयोदय गौशालाओं के द्वारा लाखों गायों को जीवन मिल रहा है ।आचार्य श्री की दृष्टि राष्ट्रीय एकता की ओर गई तो उन्होंने भाषा पर जोर दिया हर कार्य राष्ट्रभाषा हिन्दी में होगा तो देश की एकता को बल मिलेगा नारी गौरव बढ़ाने के लिए बेटियो को संस्कारित शिक्षा की आवश्यकता को महसूस की । उसके लिए बेटियों को संस्कारित शिक्षा का आयाम स्थापित कराया : आचार्य श्री की प्रेरणा से प्रतिभा स्थली के रूप में संस्कारित शिक्षा के लिए देश के अनेक भागों में आपकी प्रेरणा से प्रतिभा स्थलीयो में ब्रति बहनों द्वारा शिक्षा दी जा रही है चिकित्सा क्षेत्र में देश की प्राचीन आयुर्वेद चिकित्सा को प्रोत्साहन देते हुए पुण्य आयु चिकित्सा संस्थान जहां विद्यार्थी शोध कर चिकित्सा जगत को कुछ देने की तैयारी कर रहे हैं । वहीं एक हजार बिस्तर के विशाल चिकित्सालय का निर्माण संस्कारधानी जबलपुर में किया जा रहा है । आचार्य श्री ने संस्कृति और संस्कारों के लिए देश के लिए जो मार्ग दर्शन दिया है वह आगामी पीढ़ियों के लिए मील का पत्थर होगा।

मुनिश्री शुभम सागर महाराज ससंघ का बापू नगर में मंगल प्रवेश हुआ

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। मुनिश्री शुभम सागर महाराज एवं मुनिश्री सक्षम सागर महाराज न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर से विहार करते हुए सायंकाल पदमप्रभु दिगंबर जैन मंदिर बापूनगर में मंगल प्रवेश हुआ। ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि मुनि ससंघ शास्त्री नगर, आजाद नगर विहार करते हुए बापुनगर मार्ग से गुजरते हुए मंदिर प्रांगण पर पहुंचे ।जहां श्रावको द्वारा मुनि ससंघ का पाद प्रक्षालन किया। इस अवसर पर मुनिश्री शुभम सागर महाराज ने संबोधित करते हुए कहा कि निजस्वरूप आत्म तत्व को जानकर ही अपना कल्याण होगा। भोग-विलास संसार में सुख नहीं है। यह सब पुद्गल है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद था। ट्रस्ट मंत्री पूनम चंद सेठी ने बताया कि 10 नवंबर को सायकाल चंद्रशेखर आजाद नगर से आर्यिका चिन्मयमति माताजी ससंघ विहार कर बापुनगर मंदिर में मंगल प्रवेश होगा ।

सिद्ध चक्र मण्डल विधान विश्व शांति महायज्ञ के साथ सम्पन्न

निवाई. शाबाश इंडिया

अग्रवाल जैन मंदिर में आयोजित नवदिवसीय सिद्ध चक्र मण्डल विधान अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन किया गया जिसमें समाज के श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला व सुनील भाणजा ने बताया कि समापन के अवसर पर विश्व शांति महायज्ञ किया गया जिसमें पूजार्थियो ने हवन कुंडो मे आहुतियां दी। विधानाचार्य जिनेश भैया के सानिध्य में श्रद्धालुओं ने भगवान शांतिनाथ के अभिषेक क्रिया करवाकर शांतिधारा की। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। जौंला ने बताया कि नवदिवसीय मण्डल विधान को सफल करवाने के उपलक्ष्य में विधानाचार्य जिनेश भैया का जैन समाज ने सम्मानित किया। इस दौरान वषायोग मंगल कलशों का वितरण किया गया जिसमें सोभाग्यशाली परिवारों के यहाँ गाजेबाजे के साथ मंगल कलश विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा स्थापित किया गया जहाँ भगवान का गुणगान करके श्रद्धालुओं को भात बांटी गई। इस दौरान जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद जैन पराणा, सत्यनारायण जैन मोठूका, विष्णु बोहरा, सुनील भाणजा, पारसमल प्रेस बडांगाव, ज्ञानचंद सोगानी, विमल पाटनी, राकेश संधी, संजय सोगानी, सुरेश भाणजा, विमल सोगानी सहित कई लोग मौजूद थे। इस अवसर पर भारत गौरव आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ने धर्म सभा में कहा कि आज का दिन बड़ा महत्वशाली है। गुरु के प्रति समर्पण निष्ठा आस्था श्रद्धा का यह दिवस प्रेरणा देता है कि यदि गुरु के बताये मार्ग पर चल पड़े तो अपने ही भीतर मौजूद अनन्त शक्तियां जागृत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि परमात्मा को कहीं भी ढूंढने की जरूरत नहीं है बल्कि पहले परमात्मा को पाने के लिए अपने भीतर की यात्रा शुरू करो।भगवान केवल कल्याण के प्रतिबिम्ब है जबकि गुरु उपकारी होता है।भगवान किसी को कुछ न देते है और न लेते हैं लेकिन गुरु अपने शिष्य को भगवान की राह बताता है उनसे मिलने की कला सिखाता है ओर भगवान की तरह मोक्ष पर जाने की सही मंजिल बताने में आज भी सक्षम है।गुरु की महिमा का कोई अंत नहीं है तभी तो भगवान से पहले गुरु को महान बताया गया है। जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा एवं विष्णु बोहरा ने बताया कि विधान मे भगवान शांतिनाथ के शांतिधारा के साथ कलशाभिषेक किया गया। तत्पश्चात आचार्य विराग सागर महाराज के चित्र के समक्ष दीप-प्रज्वलित एवं चित्र अनावरण हुआ।

धर्म से शांति और सुख की प्राप्ति : मुनि श्री सुप्रभ सागर

ललितपुर. शाबाश इंडिया। मड़ावरा के समीपस्थ तीर्थक्षेत्र गिरार गिरी में आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि सुप्रभ सागर जी, मुनि प्रणत सागर जी, मुनि सौम्य सागर जी का आगमन हुआ । यहाँ दर्शन के बाद रास्ते में रात्रि विश्राम के बाद समीपस्थ तीर्थक्षेत्र कारीटोरन में प्रातःकालीन बेला में मंगल आगमन हुआ। जैन समाज कारीटोरन व क्षेत्रीय जैन समाज के श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे के साथ मुनि संघ की मंगल आगवानी की। ग्राम वासियों द्वारा अपने-अपने दरवाजों पर रंगोली व पांवड़े बिछाकर मुनि संघ के पाद प्रक्षालन किए। इसके बाद क्षेत्र पर विराजमान भगवान शांतिनाथ कुंथुनाथ अरहनाथ जी की मनोज्ञ प्राचीन प्रतिमाओं के दर्शन कर क्षेत्र पर निमार्णाधीन जिनालयों का अवलोकन मुनिसंघ द्वारा किया गया। आहारचर्या कारीटोरन ग्राम में ही हुई व सामायिक उपरांत जतारा, म.प्र. के लिए विहार हो गया। पंचकल्याणक महोत्सव बानपुर व गिरारजी के मीडिया प्रभारी डॉ सुनील संचय ने बताया कि जनपद के दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र बानपुर में आगामी 28 नवम्बर 2022 से 4 दिसम्बर 2022 तक श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव का आयोजन मुनिव्रय के सान्निध्य में होना है। विदिशा से बानपुर के लिए उनका पद विहार चल रहा है। **कोलकाता में हुआ बानपुर पंचकल्याणक के फैलक्स बैनर का विमोचन :** बानपुर में होने जा रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के फ्लैक्स बैनर का विमोचन कोलकाता में आर्यिका विशाश्री माता जी के मंगल सान्निध्य में अतिशय क्षेत्र बानपुर के अध्यक्ष महेन्द्र नायक , राजकुमार मोदी, राजेश मोदी, सजल सिंघई, अनी जैन आदि बानपुर आयोजन समिति के पदाधिकारियों द्वारा करवाया गया।

आचार्य विद्यासागर जी का आचार्य पदारोहण दिवस

नसीराबाद मे सामूहिक आरती आज रात्रि 8 बजे

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। जैनाचार्य विद्यासागर महामुनिराज के स्वर्णिम आचार्य पदारोहण दिवस पर गुरुवार को दिगम्बर जैन महिला महासमिति की ओर से आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में रात्रि 8 बजे सामूहिक आरती की जाएगी। आरती से पूर्व संध्या 7 बजे आचार्य भगवन पर भजन संध्या का आयोजन होगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जयकारों के बीच भट्टारक जी की नसियां से गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी का हुआ मंगल विहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर से महावीर जी होते हुए ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए आज (गुरुवार को) होगा मंगल विहार जयपुर । भारत गौरव, स्वस्ति धाम प्रणेत्री गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का बुधवार,09 नवम्बर को खानिया स्थित राणाजी की नसियां में जयकारों के बीच भव्य मंगल प्रवेश हुआ।इससे पूर्व माताजी ससंघ का भट्टारक जी की नसियां से राणाजी की नसियां के लिए मंगल विहार हुआ। चातुर्मास कमेटी के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि माताजी ससंघ का बुधवार को दोपहर 3.30बजे भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार होकर सायंकाल 5.30बजे खानियां स्थित राणाजी की नसियां पहुंची। जहा राणा परिवार एवं राणाजी जी की नसियां कमेटी द्वारा माताजी ससंघ की भव्य अगवानी की गई।इस मौके पर पदमपुरा क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट सुधीर जैन,सेठी कालोनी जैन मंदिर के अध्यक्ष दीन दयाल पाटनी, चातुर्मास कमेटी के कमल बाबू जैन, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, रमेश ठोलिया, चेतन जैन निमोडिया,जे एम जैन, सुबोध चांदवाड,कमल वैद,दीपक बिलाला,अजय बड़जात्या सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन उपस्थित थे। दौसा जैन समाज ने माताजी ससंघ को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इससे पूर्व माताजी ससंघ ने जैन हास्पिटल जवाहर नगर के पास समाज श्रेष्ठी विनोद जैन तिजारिया के निवास पर पहुंचकर जयकारों के बीच मंगल कलश स्थापना की।इस मौके पर कमल बाबू जैन, प्रदीप जैन,विनोद जैन कोटखावदा, रमेश ठोलिया,राजीव जैन गाजियाबाद, शान्ति कुमार सोगानी,ममता सोगानी जापान वाले, विनय सोगानी, महेन्द्र सेठी,जे के जैन,जे एम जैन, सुधीर गंगवाल, विनोद छाबड़ा 'मोनू', चेतन जैन निमोडिया,कमल वैद आदि बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजन शामिल हुए। मुख्य समन्वयक रमेश ठोलिया एवं समन्वयक चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि माताजी ससंघ का जयपुर से महावीर जी होते हुए ज्ञान तीर्थ मुरैना के लिए राणाजी की नसियां खानियां से गुरुवार,10 नवम्बर को सुबह 6.30 बजे मंगल विहार होगा। विहार समिति के सूर्य प्रकाश छाबड़ा ने बताया कि गुरुवार को प्रातः की आहार चर्या कानोता स्थित बज फार्म हाउस पर होगी। रात्रि विश्राम खोखा वाला में रावका फार्म हाउस पर होगा। उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शुक्रवार को प्रातः माताजी ससंघ का मोहनपुरा के दिगम्बर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। आहार चर्या पी डब्ल्यू डी चौकी मोहनपुरा पर होगी। रात्रि विश्राम झर में होगा। माताजी ससंघ का दौसा में 13 नवम्बर को तथा श्री महावीरजी में 20 नवम्बर को मंगल प्रवेश प्रस्तावित है।

पिंकसिटी में आज से इंडिया स्टोनमार्ट

11 और 12 नवंबर को होगा 'जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल', देशभर से और विदेश के प्रख्यात आर्किटेक्ट्स लेंगे हिस्सा

जयपुर. कासं

'इंडिया स्टोनमार्ट 2022' के पिछले संस्करणों की तरह ही, इस वर्ष भी स्टोनमार्ट में 11 और 12 नवंबर को 'जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल' (जेएएफ) का आयोजन किया जाएगा। जेएएफ विशेष रूप से 'आर्किटेक्चरल प्रैक्टिस और एज्यूकेशन और इंडिया के स्टोन ट्रेडिशन' पर केंद्रित रहेगा। फेस्टिवल का उदेश्य आर्किटेक्चर के रचनात्मक क्षेत्र में नए विचारों के आदान-प्रदान, संवाद और नेटवर्किंग के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान करना है। जेएएफ में भविष्य के शहरों, पर्यावरण, आर्किटेक्चर के साथ-साथ समृद्ध स्टोन ट्रेडिशन्स के अभ्यास और शिक्षा के बारे में कई तरह के विचारों पर जोर दिया जाएगा। यह जानकारी राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड (रीको) के प्रबंध निदेशक, शिवप्रसाद नकाते ने दी। शिवप्रसाद नकाते ने आगे बताया कि 'जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल' का आयोजन सीडीओएस, रीको और फिक्की द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, राजस्थान चैप्टर नॉलेज पार्टनर है। देशभर से और विदेशों के प्रख्यात आर्किटेक्ट्स जेएएफ में भाग लेंगे। प्रतिभागियों में शिक्षण संकाय और महत्वपूर्ण आर्किटेक्चरल कॉलेजों और संस्थानों के छात्र भी शामिल होंगे। फेस्टिवल विभिन्न पत्थरों की उपलब्धता और गुणों के बारे में ज्ञान और जागरूकता को अद्यतन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सीडीओएस ने पत्थर उद्योग में प्रतिभागियों को परेशानी मुक्त चयन और सोर्सिंग के साथ-साथ सीधे संपर्क स्थापित करने के लिए कई पहल की हैं। जेएएफ में जाने-माने वक्ता और रोचक पैनल चर्चाएं होंगी। जेएएफ के प्रख्यात वक्ताओं में प्रेसिडेंट, कार्डसिल ऑफ आर्किटेक्चर, हबीब खान, केतन जावड़ेकर, संथा गौड़; रफीक आजम, कमल मलिक, संगीत शर्मा, बीजू कुरियाकोस आदि शामिल होंगे। यह आयोजन नए विचारों और प्रतिभाओं के उद्भव के लिए डिजाइन फ्रेटरनिटी के 300 से अधिक प्रतिनिधियों के साथ प्रमुख आर्किटेक्ट्स के साथ सीखने और संवाद के अवसर प्रदान करेगा। फेस्टिवल में राजस्थान राज्य की समृद्ध संस्कृति, विरासत और स्टोन आर्किटेक्चर के स्तोत्र के रूप में डिस्प्ले एरिना में आर्किटेक्ट्स और डिजाइनरों के 15 प्रेरक प्रोजेक्ट्स को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

राजस्थान में भूकंप के झटके

जयपुर, अलवर समेत प्रदेश के 8 जिलों में धरती कांपी, दहशत में लोग

जयपुर. कासं

नेपाल में देर रात आए भूकंप के झटके राजस्थान में भी महसूस किए गए हैं। ये झटके दिल्ली, एनसीआर से पास वाले राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में आए। जयपुर, भरतपुर दौसा समेत प्रदेश के 8 से ज्यादा जिलों में लोग दहशत में आ गए। इन जिलों में रात करीब 1:57 बजे भूकंप के झटके लगे। हालांकि ये हल्के थे और किसी तरह की जान या माल के नुकसान की खबर नहीं है, पर लोग काफी देर तक घबराए रहे। रात में जब भूकंप के झटके आए तो अधिकांश लोग उस समय गहरी नींद में थे। इससे ज्यादातर लोगों को भूकंप के आने का पता ही नहीं चला। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.3 रिकॉर्ड की गई। इसका केंद्र हिमालय की गोद में बसे नेपाल के दोती जिले में जमीन से तकरीबन 10 किलोमीटर नीचे था। सबसे पहले रात करीब 1:57 पर भूकंप आया। इसकी तीव्रता 6.3 मापी गई। धरती का कंपन राजस्थान तक महसूस किया गया।

समकित गुरूवर भूल न जाना, लौट के जल्दी वापस आना

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

समकित गुरूवर भूल न जाना, लौट के जल्दी वापस भीलवाड़ा आना जैसे नारों की गूंज के बीच चार माह के ऐतिहासिक चातुर्मास को सआनंद पूर्ण कर आगममर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि पूज्य समकितमुनिजी म.सा. बुधवार सुबह शांतिभवन से वर्धमान कॉलोनी स्थित अंबेश भवन के लिए मंगल विहार कर गए। विदाई की बेला में भक्तिभाव से भरे श्रावक-श्राविकाओं की आंखे नम हो आई। विदाई से पूर्व शांतिभवन श्रीसंघ की ओर से पूज्य समकितमुनिजी म.सा. को प्रदान आगममर्मज्ञ की उपाधि की चादर ओढ़ाई गई। हालांकि मुनिश्री ने विनम्रतापूर्वक इस उपाधि को स्वीकार करने में असमर्थता जताई लेकिन शांतिभवन श्रीसंघ के पदाधिकारियों ने इसे सम्पूर्ण भीलवाड़ावासियों की भावना बताते हुए इसे स्वीकार करने की करबद्ध विनती की ओर श्रावक बंधुओं ने जयकारों के बीच पूज्य समकितमुनिजी को आगममर्मज्ञ की चादर ओढ़ाई। इस चादर को पूज्य समकितमुनिजी ने मेवाड़ के महान संतों पूज्य अंबालालजी म.सा., महासाध्वी यशकंवरजी म.सा., जैन दिवाकर चौथमलजी म.सा., प्रवर्तक पन्नालालजी म.सा., मरूधर केसरी मिश्रीमलजी म.सा. आदि को समर्पित कर दी।

छावनी पंचकल्याणक के पात्रों का चयन हुआ

विपिन-मंजू सोगानी सोधर्म इंद्र होंगे

इंदौर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन पंचायती मंदिर छावनी में विराजमान होने वाली 24 तीर्थंकर प्रतिमाओं का सन्मति स्कूल परिसर मे 26 नवंबर से होने वाले पंचकल्याणक एवं वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य पात्रों का चयन बोली के माध्यम से हुआ। सौधर्म इंद्र इंद्राणी बनने का सौभाग्य विपिन मंजू सोगानी एवं कुबेर इंद्र बनने का सौभाग्य सुवालाल दगड़ा ने प्राप्त किया। महोत्सव के महायज्ञ नायक देवेंद्र लवेश सेठी, यज्ञ नायक श्री शांतिलाल काला बड़नगर वाला, ईशान इंद्र अनिल सोनी, एवं चक्रवर्ती प्रकाश शास्त्री होंगे। इसके अलावा वीर कुमार जैन एडवोकेट ,अजय जैन ट्रांसपोर्ट, सचिन जैन, सुशील गोधा, योगेश कुमार एवं राजेश कुमार ने भी विभिन्न पात्र बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि जन्म लेना बड़ी बात नहीं, जन्म लेकर जिनेंद्र भगवान के प्रति श्रद्धा समर्पण होना बड़ी बात है। यह प्रतिष्ठा महोत्सव धन संग्रह के लिए नहीं, परिणामों की विशुद्धी के लिए है। जिन्होंने आज महोत्सव के पात्र बनने का सौभाग्य प्राप्त किया है वह बड़भागी हैं। मुनि श्री अप्रमित सागर जी ने कहा कि

प्रभु की आराधना और धार्मिक अनुष्ठान करने से कर्मों का क्षय होकर पाप कटते हैं और पुण्य का बंध होता है। इस अवसर पर अशोक पाटनी, कैलाश वेद, प्रकाश बड़जात्या, धीरेंद्र कासलीवाल, पंडित जयसेन जैन, डॉक्टर जैनेंद्र जैन, योगेंद्र काला एवं समाज प्रवक्ता एम के जैन आदि गणमान्य उपस्थित थे। सभा का संचालन प्रतिष्ठाचार्य पंडित प्रदीप शास्त्री ललितपुर ने किया।

विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से बंदियों की समस्याओं के लिए चलाया स्पेशल कैंपेन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अजमेर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष मदन लाल भाटी के निर्देशानुसार जिले के समस्त कारागृहो में बंद बंदियों की समस्याएं जानने के लिए स्पेशल कैंपेन चलाया गया। जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव रामपाल जाट द्वारा कारागृहो में विजिट के लिए फील्ड टीम का गठन किया गया जिसमें पैरा लीगल एडवोकेट हेमंत प्रजापति, रमेश चंद, बाबूलाल, नाथूलाल, गोपाल प्रसाद, सविता चौहान, लोकेश भिंडा सहित पैरा लीगल वॉलिंटियर सरस्वती खारोल, दीपक ठाकुर, रवि रेशवाल, कृष्ण कुमारी, नादिरा खान, रमेश चंद, लक्ष्मी सिंगला शामिल रहे। जिन्होंने अजमेर केंद्रीय कारागृह में जाकर विचाराधीन और सजायाफ्ता बंदियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी और बंदियों को कानून में प्राप्त अधिकारों के बारे में जानकारियां देते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा बंदियों की पैरवी के लिए अधिवक्ता उपलब्ध कराए जाने सहित उन्हें मिलने वाली अन्य निशुल्क विधिक सेवाओं के बारे में भी जानकारियां दी।